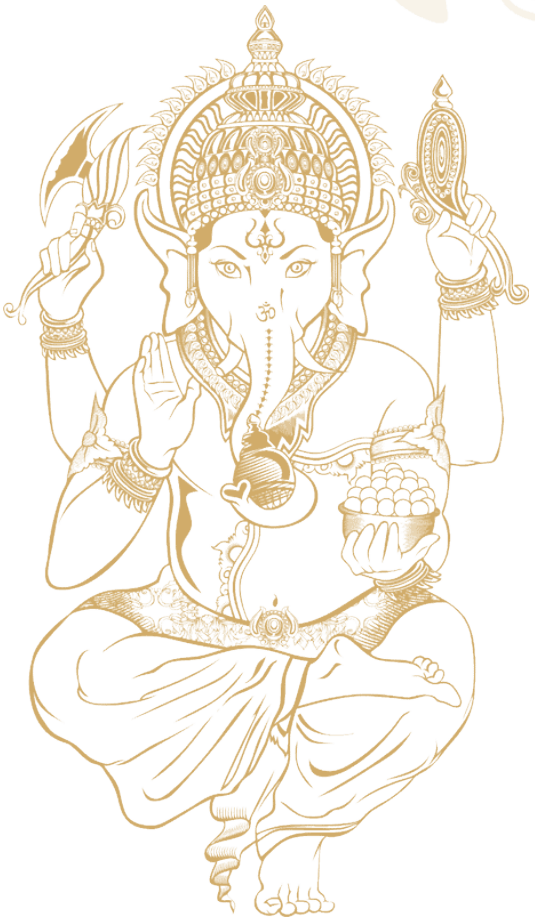

Rupak

04 Nov 1994

08:15 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121712902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/11/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:15:00 घंटे**
इष्ट	34:09:19 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	22:48:19 घंटे
सूर्योदय	06:35:16 घंटे
सूर्यास्त	17:34:00 घंटे
दिनमान	10:58:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:10:01 तुला
लग्न के अंश	02:18:29 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:18:29	337:18:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			तुला	18:10:01	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	03:02:45	15:10:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कर्क	22:20:20	00:28:05	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			कन्या	29:31:44	00:51:16	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			तुला	28:31:54	00:13:10	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	तुला	15:30:55	00:36:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	11:54:39	00:00:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:01:01	00:00:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:01:01	00:00:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	29:04:32	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	27:05:09	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:33:09	00:02:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	16:47:47	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:17

लग्न-चलित

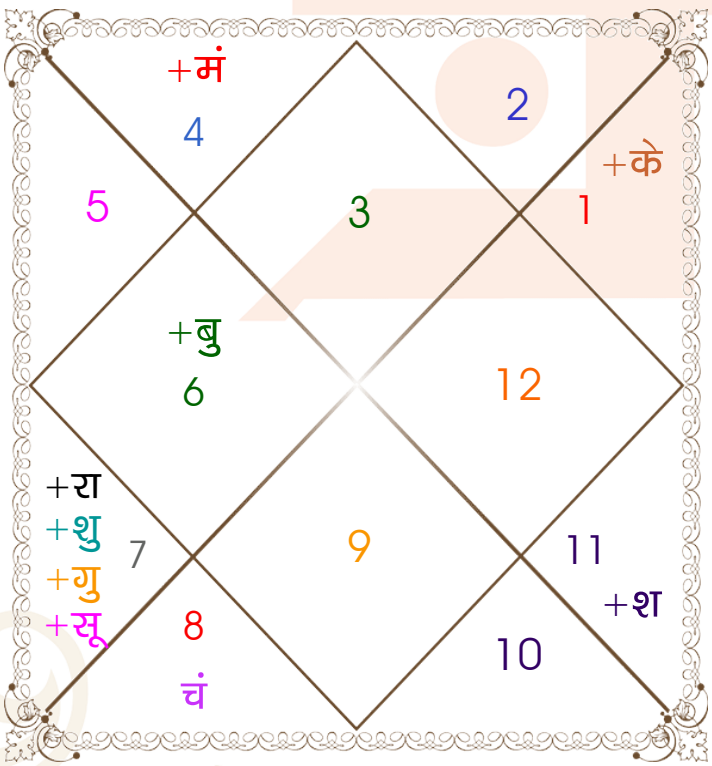

चन्द्र कुंडली

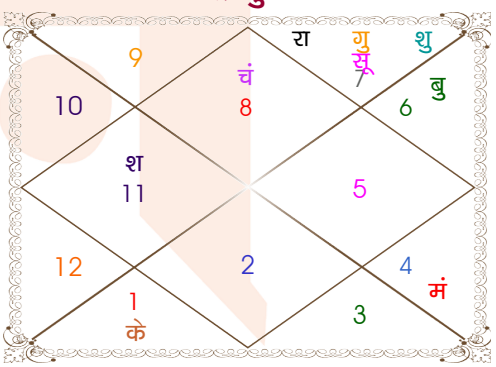

नवमांश कुंडली

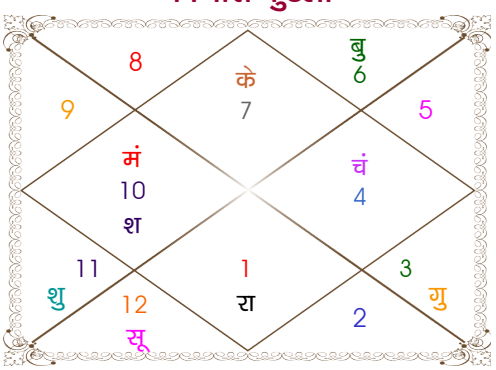

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 4 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/11/1994		10/03/1995		10/03/2014		10/03/2031		10/03/2038	
10/03/1995		10/03/2014		10/03/2031		10/03/2038		10/03/2058	
	00/00/0000	शनि	13/03/1998	बुध	06/08/2016	केतु	06/08/2031	शुक्र	10/07/2041
	00/00/0000	बुध	20/11/2000	केतु	03/08/2017	शुक्र	06/10/2032	सूर्य	10/07/2042
	00/00/0000	केतु	30/12/2001	शुक्र	03/06/2020	सूर्य	10/02/2033	चंद्र	10/03/2044
	00/00/0000	शुक्र	01/03/2005	सूर्य	09/04/2021	चंद्र	12/09/2033	मंगल	10/05/2045
	00/00/0000	सूर्य	11/02/2006	चंद्र	09/09/2022	मंगल	08/02/2034	राहु	09/05/2048
	00/00/0000	चंद्र	12/09/2007	मंगल	06/09/2023	राहु	26/02/2035	गुरु	08/01/2051
	00/00/0000	मंगल	21/10/2008	राहु	25/03/2026	गुरु	02/02/2036	शनि	10/03/2054
	04/11/1994	राहु	28/08/2011	गुरु	30/06/2028	शनि	13/03/2037	बुध	08/01/2057
राहु	10/03/1995	गुरु	10/03/2014	शनि	10/03/2031	बुध	10/03/2038	केतु	10/03/2058

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2058		10/03/2064		10/03/2074		10/03/2081		10/03/2099	
10/03/2064		10/03/2074		10/03/2081		10/03/2099		05/11/2114	
सूर्य	28/06/2058	चंद्र	08/01/2065	मंगल	06/08/2074	राहु	21/11/2083	गुरु	29/04/2101
चंद्र	27/12/2058	मंगल	09/08/2065	राहु	25/08/2075	गुरु	16/04/2086	शनि	10/11/2103
मंगल	04/05/2059	राहु	08/02/2067	गुरु	31/07/2076	शनि	20/02/2089	बुध	15/02/2106
राहु	28/03/2060	गुरु	09/06/2068	शनि	08/09/2077	बुध	09/09/2091	केतु	22/01/2107
गुरु	14/01/2061	शनि	08/01/2070	बुध	06/09/2078	केतु	26/09/2092	शुक्र	22/09/2109
शनि	27/12/2061	बुध	10/06/2071	केतु	02/02/2079	शुक्र	27/09/2095	सूर्य	11/07/2110
बुध	03/11/2062	केतु	09/01/2072	शुक्र	03/04/2080	सूर्य	21/08/2096	चंद्र	10/11/2111
केतु	10/03/2063	शुक्र	08/09/2073	सूर्य	09/08/2080	चंद्र	20/02/2098	मंगल	16/10/2112
शुक्र	10/03/2064	सूर्य	10/03/2074	चंद्र	10/03/2081	मंगल	10/03/2099	राहु	05/11/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।